#### अम विभाग

#### ग्राधेश

## दिन क 31 जुलाई, 1984

सं. स्रो वि./करनाल/ 99-82/ 27599.— चूंकि हरियागा के राज्यपाल की राय है कि मैंं दी करनाल कोपरेटिवि शूगरमिल, लि. करनाल के श्रमिकों तथा प्रबन्कों के मध्य इसमें इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई प्रौद्योगिक विवाद है,

श्रीर चुकि राज्यपाल, हरियाणा, इस विवाद को न्यायितिर्णय होतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं,

इसलिए, श्रव श्रीशोगिक विवाद अधिनियम, 1945 की धारा 10 की उप-धारा (।) के खंड (घ) द्वारा प्रदान की गई गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा राज्यपाल के इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित, श्रीशोगिक श्रीधिक रण, हरियाणा, फरीनावाद, को,नीचे विनिर्दिष्ट मामले,जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं, अथवा विवाद से अंगत या पंत्रीधित मामला/मामले हैं, अथवा विवाद से अंगत या पंत्रीधित मामला/मामले हैं, निर्दाण्ड करते हैं :---

त्रया श्रमिक श्री जयपाल सिंह, फिटर के पद पर पदोन्नित का पाल है। यदि है तो किस विवरण से।

# दिनांक 31 जुलाई, 1984

स. भ्रो. वि |करनाल | 99-82 | 27605.--चूंि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० दो करनाल कोपरेटिव शूगरमिल लिं० , करनाल वे श्रीमकों तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके शाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है,

म्रोर चूकि राज्यपाल, हरियाणा, इस विकद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं.

इसलिए, अब श्रोद्योगिक विवाद स्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के बंड (घ) द्वारा प्रदान की की गई प्रितियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त स्रिधिनियम को धारा 7-क के स्रिधीन गठित, उद्योगिक श्रिष्ठिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामले, जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं, अथव विवाद से सगत या संबंधित मामला/मामले हैं/है, न्यायनिर्णय होसू निर्दिष्ट करते हैं ---

नया श्रमिक श्री स्रोम प्रकाश, टयूवर्वेल स्रोगरेटर पर पहीन्नत का पात है ? यदि है, तो किस विवरण से ?

एम. सेठ, विसायुक्त एवं सचिव हरियाणा सरकार. श्रमतथा रोजगार विभाग।

, श्रमं विभाग

### दिनांक 7 अगस्त, 1984

मं भो. वि /एफ. डी /2/36-84/29123.--चूिक हरियोणा के राज्यपाल की राग्रे है कि मैं. विकास फोरजिंग्स प्रा. लि., प्लाट नं... र 173. सैनटर 24, फरीदाबाद के श्रामिक श्री शेर सिंह, तथा उसके प्रंबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित गामलें के सम्बन्ध में कोई भीदोगिक निवाद है।

श्रीर चुकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्ण यहोतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं,

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शितियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495 जी अम 57/11245, दिनांक 7 परवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित श्रम न्यायलय फरीदाबाद को विवदाग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवर्गकों तथा अभिक के बीच या तो विवादग्रस्त ग्रामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है।

ाया श्री शेर सिंह की सेवाघों का समापन त्यायोजित वैया ठीक है। यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?